www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 334 | जौनपुर, शनिवार, 25 जुलाई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

युवाओं की एकजुट ताकत और आंदोलन के कारण टूटी प्रधानमंत्री की चुप्पी– टीकाराम जूली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों और युवाओं की एकजुट ताकत के कारण प्रधानमंत्री को अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के कमजोर कानूनों के चलते राष्ट्रीय परीक्षाओं में धांधली करने वाले माफिया बेखौफ घूम रहे हैं। जयपुर, 24 जुलाई राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने शुक्रवार को कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों एवं युवाओं की एकजुट ताकत के चलते प्रधानमंत्री को अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी है। उन्होंने कहा कि केंद्र के कमजोर कानूनों के कारण ही राष्ट्रीय परीक्षाओं में धांधली करने वाले माफिया बेखौफ घूम रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश का युवा पिछले एक महीने से सड़कों पर आंदोलनरत है। प्रश्न पत्र लीक की घटनाओं को हुए महीनों बीत चुके हैं लेकिन केंद्र सरकार पूरी तरह संवेदनहीन बनी हुई है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री जी को इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी है, लेकिन यह भाजपा सरकार की कोई मेहरबानी नहीं, बल्कि पीड़ित छात्रों और युवाओं की एकजुट ताकत तथा उनके ऐतिहासिक आंदोलन का परिणाम है।" उन्होंने आरोप लगाया, "केंद्र द्वारा बनाए गए कमजोर और लचर कानूनों के कारण ही आज नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं में धांधली करने वाले माफिया बेखौफ घूम रहे हैं।

अब तक बनाए गए 10.18 करोड़ से अधिक किसान पहचान पत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को राज्यसभा को बताया कि सब्सिडी के प्रत्यक्ष अंतरण और तकनीकी परामर्श को सुव्यवस्थित करने के लिए अब तक 10.18 करोड़ से अधिक किसान पहचान पत्र बनाए जा चुके हैं। कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सब्सिडी के प्रत्यक्ष अंतरण और तकनीकी परामर्श को सुव्यवस्थित करने के लिए 20 जुलाई 2026 तक 10.18 करोड़ से अधिक किसान पहचान पत्र बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य किसानों के जीवन को सुगम बनाने के लिए किसान पहचान पत्र (आईडी) का इस्तेमाल कर रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि इससे प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद, ऋण सुविधा आदि के एकीकरण में आसानी होती है। आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में 2.43 करोड़ से ज्यादा किसान पहचान पत्र बनाए गए हैं।

पहुंचेंगे सीएम योगी, 489 करोड़ की 125 विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

फतेहपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को फतेहपुर दौरे के दौरान जिले को करीब 489.14 करोड़ की 125 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इनमें 87 परियोजनाओं का लोकार्पण और 38 नई परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मदारीपुर कला में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी भी देंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे लखनऊ स्थित पांच कालिदास मार्ग से हेलीकॉप्टर से रवाना होंगे और सुबह 10:30 बजे मदारीपुर कला स्थित हेलीपैड पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग से कार्यक्रम स्थल पहुंचकर सुबह 10:40 से 11:40 बजे तक विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद

जनसभा को संबोधित करेंगे। सुबह 11:40 से 11:55 बजे तक उनका समय आरक्षित रहेगा। इस दौरान वह अधिकारियों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सकते हैं। इसके बाद 11:55 बजे कार्यक्रम स्थल से रवाना होकर दोपहर 12:05 बजे हेलीपैड पहुंचेंगे और वहां से जालौन के लिए प्रस्थान करेंगे। इन परियोजनाओं के पूरा होने से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस व्यवस्था और खेल सुविधाओं का विस्तार होगा। सबसे बड़ी राहत ग्रामीण पेयजल योजनाओं से मिलने की उम्मीद है। दर्जनों गांवों में हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने वाली योजनाओं का लोकार्पण होगा। इससे वर्षों से पेयजल संकट झेल रहे हजारों परिवारों को लाभ मिलेगा। बहुआ–हिनौता, बहराइच–बांदा मार्ग और असोथर–रामनगर कौहन मार्ग समेत कई प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से आवागमन आसान होगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में राजकीय आयुष चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज और अन्य निर्माण कार्य शुरू होंगे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, 49 दिन से इसी मांग पर अड़ी थी सीजेपी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक विवाद और पिछले कई हफ्तों से चल रहे भारी विरोध प्रदर्शनों और चौतरफा दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है। मेडिकल छात्रों के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर सरकार की चौतरफा आलोचना हो रही थी और इस इस्तीफे को परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि, पेपर लीक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुरू से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और अपने फैसले पर अड़ी रही। आज सरकार और सीजेपी के तीसरे दौर की वार्ता से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा सौंपा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे का पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा– मेरे युवा साथियों, मैं पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के

लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। उन्होंने कहा, मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ, उसके लिए मैं प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने आगे लिखा, तीन मई 2026 को हुई ।

पत्रकारों पर हमले के बाद सीएम शुभेंदु का बड़ा एक्शन

कोलकाता, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को नीट पेपर लीक प्रदर्शन में पत्रकारों पर हुए हमलें की निंदा की। उन्होंने हाल ही में पारित गुंडा अधिनियम के तहत उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में शुक्रवार को कोलकाता में वामपंथी छात्र संगठनों की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित विरोध रैली के दौरान पत्रकारों और फोटो पत्रकारों पर हुए हमले के संबंध में बयान देते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 70 लोगों की पहचान की गई है जो वहां मौजूद थे लेकिन उनका विरोध प्रदर्शन से कोई लेना–देना नहीं था। इस मामले में कोलकाता पुलिस ने कुल छह एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस के अनुसार, कई अपराधी छात्रों के प्रदर्शन में घुसपैठ कर गए थे और वे ही उस दिन हुई

गुंडागर्दी के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। उन्होंने उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके साथ ही कहा कि हाल ही में पारित गुंडा अधिनियम की धाराएं आरोपियों के खिलाफ लगाई गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपद्रवियों ने जूते और पानी की बोतलें फेंककर शुरुआत की और फिर उन्होंने पत्रकारों को निशाना बनाया क्योंकि पुलिस ने स्थिति को और बिगाड़ने के कई प्रयासों के बावजूद उनके जाल में नहीं फँसा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य न्यायिक समिति के एक स्वघोषित सदस्य द्वारा घोषित श्संयुक्त कॉकरोज मार्च के बैनर तले, वामपंथी और अति–वामपंथी संगठनों ने शुक्रवार को एक रैली आयोजित की।

पीएम मोदी ने सीएम हिमंत विश्व शर्मा से की बात, हरसंभव केंद्रीय सहायता का दिया आश्वासन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। असम में जारी विनाशकारी बाढ़ संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से टेलीफोन पर बातचीत कर बाढ़ की मौजूदा स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार की ओर से राज्य को हरसंभव सहायता प्रदान करने का अटूट आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्श पर एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री के साथ हुई इस उच्चस्तरीय बातचीत की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने तबाही की सीमा,

जारी राहत एवं बचाव कार्यों तथा जमीनी स्तर पर हमारे सामने मौजूद चुनौतियों के बारे में जानकारी मांगी।'' शर्मा ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों और हर प्रभावित परिवार तक सहायता पहुंचाने के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने जनहानि और संपत्ति के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया तथा असम के लोगों को आश्वस्त किया कि इस आपदा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। भारत सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में प्रधानमंत्री मोदी के आश्वासन और अटूट सहयोग के लिए असम की जनता उनकी आभारी है। इस बीच, शनिवार को भी असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही, हालांकि कुछ इलाकों में पानी का स्तर घटने लगा है। अब तक बाढ़ से 61 लोगों की मौत हो चुकी है और नौ जिलों में 7.05 लाख से अधिक लोग इस आपदा से प्रभावित हैं।

मोहन भागवत ने युगानुकूल मातृत्व कार्यक्रम को संबोधित किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने पाठ्य पुस्तकों में हिंदू देवी–देवताओं से जुड़ी जानकारी शामिल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि माता–पिता को भी इतना ज्ञान होना चाहिए कि वे बच्चों के धर्म से जुड़े सवालों का जवाब दे सकें। भागवत ने शुक्रवार को युगानुकूल मातृत्व कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बच्चे अक्सर हिंदू देवी–देवताओं को लेकर सवाल पूछते हैं। लेकिन कई बार माता–पिता उनके सवालों का जवाब नहीं दे पाते। उन्होंने कहा,बच्चे अक्सर वापस आकर ऐसे सवाल पूछते हैं, जिनके जवाब जरूरी होते हैं। जैसे यह भगवान बंदर के चेहरे वाले क्यों हैं? यह भगवान हाथी के चेहरे वाले क्यों हैं? लेकिन अक्सर पिता को इन सवालों के जवाब नहीं पता होते और मां को भी नहीं। उन्होंने कहा, ये बातें शुरुआत से ही पाठ्य पुस्तकों में होनी चाहिए। ये

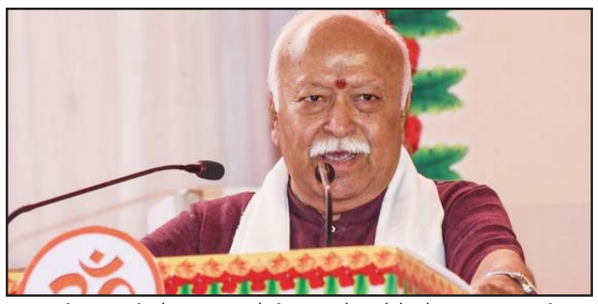

जानकारी आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए। हम बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वही ज्ञान वे हासिल करते हैं। पहले 12 साल तक उनका पालन–पोषण हमारे हाथ में होता है। हमें उन्हें जानकारी देनी चाहिए और इसके लिए हमें खुद भी सीखना चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की पीढ़ी के बच्चों की परवरिश के लिए अलग तरीके की जरूरत है। इसमें आदेश देने के बजाय बातचीत पर ज्यादा जोर होना चाहिए। उन्होंने कहा, जब हम बच्चे थे, तब मां कुछ कह देती थीं या पिता कह देते थे कि कोई बहस नहीं होगी, तो हम उसे मान लेते थे। हम सवाल नहीं करते थे, क्योंकि हमें पता था कि उन्होंने जीवन देखा है और वे चीजों को हमसे बेहतर समझते हैं। भागवत ने कहा, आज ऐसा नहीं है। आप बच्चों के साथ सख्त रवैया नहीं अपना सकते। आपको उन्हें चीजें समझानी होंगी। वे ऐसे माहौल में बड़े हो रहे हैं, जहां हर तरफ भौतिक चीजों का प्रभाव और लगातार प्रचार मौजूद है। हमें उन्हें इस उलझन से बाहर निकलने का रास्ता दिखाना होगा। उन्होंने कहा, उन्हें बहुत स्नेह की जरूरत है। उन्हें हमारा समय चाहिए।

सब कुछ बंद कर सकते हैं, लेकिन पेपर लीक नहीं रोक पाए – राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नीट परीक्षा में पेपर लीक के आरोपों को लेकर देशभर में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने के लिए मेट्रो, सड़कें, दुकानें और इंटरनेट तक बंद कर सकती है, लेकिन पेपर लीक जैसी समस्या को नहीं रोक पा रही है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार पर छात्रों के साथ क्रूर व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि छात्रों ने सिर्फ अपने अधिकारों की मांग की थी, लेकिन सरकार ने उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए। राहुल ने तंज कसते हुए कहा, श्मोदी जी, आप सब कुछ बंद कर सकते हैंय मेट्रो, सड़कें, इंटरनेट – लेकिन एक चीज नहीं रोक पाए, और वह है पेपर लीक। राहुल गांधी ने 20 जुलाई को दिल्ली में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने एक घायल छात्र का वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर गोली चलाकर उन्हें घायल किया गया। उन्होंने कहा कि आज के समय में अपने हक की मांग करने वाले छात्रों को न्याय की जगह छर्रे मिल रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट किसी भी मामले की सुनवाई से कभी इनकार नहीं कर सकता, यह मेरा वादा है – सीजेआई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई से संबंधित याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट की पिछली टिप्पणियों के पीछे के संदर्भ को स्पष्ट किया। इसमें वकीलों से कहा गया था कि वे शीर्ष अदालत का समय बर्बाद न करें। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने कभी भी मामले की सुनवाई से इनकार नहीं किया

था और उस समय उसके समक्ष कोई उचित रूप से दायर याचिका नहीं थी।एनडीटीवी से बात करते हुए सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट किसी भी याचिकाकर्ता की सुनवाई से कभी इनकार नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि ठीक से दायर की गई रिट याचिका के बजाय शीर्ष अदालत के सामने सिर्फ एक पेज का आवेदन रखा गया था। उन्होंने कहा, ष्यह गलत खबर थी कि सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट किसी भी मामले की सुनवाई से कभी इनकार नहीं कर सकता। यह मेरा वादा है। हम 24 घंटे उपलब्ध हैं।ष्सीजेआई ने कहा, ष्अगर मुझे याचिका मिली ही नहीं, तो मैं सुनवाई कैसे कर सकता हूं? अगर वे एक पेज का पत्र देकर उस पर सुनवाई की मांग करते हैं, तो यह सही तरीका नहीं है। हम याचिका दायर करने की सुप्रीम कोर्ट की प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं कर सकते। मैंने उनसे कहा कि उन्हें याचिका ठीक से दायर करनी चाहिए।ष उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता तय प्रक्रिया का पालन किए बिना ही तुरंत सुनवाई चाहते थे।

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)

Email
connectpuregistrar@gmail.com

Fax: (05452) 252344, 252244
Web - www.vbspu.ac.in

पत्रांक – 12415 / सामा०प्रशा० / 2026 | दिनांक – 25 जुलाई 2026

प्रेस विज्ञप्ति
30वाँ दीक्षान्त समारोह 27 जुलाई 2026

30वाँ दीक्षान्त समारोह दिनांक 27 जुलाई, 2026 को विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में पूर्वाह्न 10:00 बजे से आयोजित होना सुनिश्चित हुआ है। श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश समारोह की अध्यक्षता करेंगी। मुख्य अतिथि मेजर जनरल गौरव गौतम (विशिष्ट सेवा मेडल), ए.डी.जी. एन.सी.सी. (उत्तर प्रदेश), अति विशिष्ट अतिथि श्री योगेन्द्र उपाध्याय, माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनी तिवारी, माननीय राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार होंगे। विश्वविद्यालय के समस्त सम्मानित आचार्य, उपाचार्य, प्राध्यापक, परिषदों के सम्मानित सदस्य, पदाधिकारियों एवं सम्बन्धित जन दिनांक 27 जुलाई, 2026 को पूर्वाहन 10.00 बजे विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर सादर आमंत्रित है। निमंत्रण पत्र अलग से प्रेषित किये गये हैं। पीएच.डी. उपाधिधारको तथा सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले गोल्ड मेडल प्राप्तकर्ता छात्रध्छात्राओं को पत्र के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। सर्वसम्बन्धित को निमंत्रण पत्र / सूचना पत्र साथ में लाना अनिवार्य है।

कुलसचिव

संपादकीय

जैसा रास्ता, वैसी मंजिल

वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन की प्रति व्यक्ति औसत आय 4,635 डॉलर से अधिक हो गई है, जिससे वे उच्च मध्यम आय वर्ग में पहुंच गए हैं। भारत अभी इस मंजिल से कोसों दूर है। विश्व बैंक ने बीते हफ्ते वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन को उच्च–मध्यम आय वर्ग वाली देशों की श्रेणी में डाल दिया, जबकि जाहिर हुआ कि भारत अभी इस मंजिल से बहुत दूर है। ष्सबसे तेजी से उठती अर्थव्यवस्थाष् और ष्विकसित भारतष् की कहानियों में यकीन करने वाले समूहों में इस खबर से बड़ी बेचैनी देखी गई है। विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर देशों की श्रेणी बनाता है। 1,176 से 4,635 डॉलर प्रति व्यक्ति औसत आय वाले देशों को निम्न मध्य आय वर्ग में रखा जाता है। वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन की प्रति व्यक्ति आय 4,635 डॉलर से अधिक हो गई है। जबकि भारत अभी 2,760 डॉलर तक ही पहुंच पाया है। अपने यहां सबसे ज्यादा व्यग्रता इस तथ्य से पैदा हुई है कि वियतनाम भारत के दो साल बाद यानी 2009 में निम्म मध्यम वर्ग आय श्रेणी में पहुंचा था। उसके 17 साल बाद वह अगली श्रेणी में जा पहुंचा है। जबकि डेमोग्रैफिक डिविडेंड, बड़े उपभोक्ता बाजार और दूरदर्शी नेतृत्व आदि जैसी कथाओं में खोये भारत के सामने मिडल इनकम ट्रैप में फंसे रह जाने की परिस्थिति आ खड़ी हुई है। यहां जानबूझ कर निर्मित निराधार कहानियों ने मानव विकास की उपेक्षा, अनुसंधान एवं विकास की अनदेखी, कारोबार के रास्ते में मौजूद रुकावटों से बेपरवाही तथा आर्थिक और वित्तीय शक्तियों के कुछ घरानों में केंद्रित होते चले जाने की हकीकत पर परदा डाले रखा है। दूसरी तरफ वियतनाम ने प्रशिक्षित श्रमिक वर्ग तैयार किया, जिससे श्चाइना1च का दौर आने पर उसका लाभ उठाने में वह सफल हुआ। वह मैनुफैक्चरिंग को बहुरूप देने और निर्यात उन्मुख नीतियों पर अमल करने में कामयाब हुआ। नतीजतन, वहां लाखों नई नौकरियां पैदा हुईं, जिनसे आम जन की आमदनी बढ़ी। फिलीपीन्स पश्चिमी कंपनियों की जरूरत के मुताबिक सेवा प्रदान करने के ढांचे की बदौलत आगे बढ़ा है, तो चार साल पहले व्यापक अस्थिरता का शिकार हुआ श्रीलंका फिर से विकास मार्ग पर चल निकला है। इसके विपरीत भारत के नीति–निर्माता वर्तमान की बलि चढ़ा कर अतीत के गौरव की तलाश में मग्न रहे हैं, तो उसके परिणाम से हम कैसे बच सकते हैं!

युवाओं में भरा हुआ गुस्सा है

अजीत द्विवेदी

जंतर मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल और कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन एक सामान्य सी मांग को लेकर शुरू हुआ था। छह जून को अमेरिका से लौटे अभिजीत दीपके ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन का आयोजन किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने अमेरिका में रहते हुए एक सोशल मीडिया हैंडल बनाया था, जिसका नाम रखा था श्कॉकरोच जनता पार्टीच्। बाद में इसके एक्स हैंडल को सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया तो श्कॉकरोच इज बैक्च नाम से दूसरा हैंडल बनाया गया। सो, कुल मिला कर यह एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बना हैंडल है, जिसने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को मुद्दा बनाया था। 28 जून को वापस जंतर मंतर पर प्रदर्शन शुरू करने से पहले दीपके ने महाराष्ट्र के अपने गांव से कई संदेश दिए और जयपुर व नागपुर में भी प्रदर्शन किया। हर जगह उन्होंने एक ही मुद्दा उठाया कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। यह विशुद्ध रूप से एक एक लोक लुभावन राजनीतिक नारा था और तभी इसे जमीनी स्तर पर बहुत समर्थन नहीं मिला। जिस तेजी से सोशल मीडिया हैंडल पर इसके फॉलोवर बढ़े थे वह तेजी दो दिन के बाद ही थम गई। छह जून के प्रदर्शन को सीमित सफलता मिली। दीपके तीन घंटे के प्रदर्शन के बाद बेहोश हो गए और एसी गाड़ी में बैठने चले गए। तब ऐसा कतई नहीं लगा था कि यह आंदोलन इतना बड़ा होगा और इससे देश भर के छात्र, युवा और उनके अभिभावक जुड़ जाएंगे। इसका श्रेय जाता है सोनम वांगचुक को। उन्होंने इस आंदोलन को एक व्यापक स्वरूप दिया। वे शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और उनकी अपनी एक नैतिक ताकत है। जैसे अन्ना हजारे की पहचान भ्रष्टाचार विरोधी समाजसेवी की थी वैसे ही सोनम वांगचुक की छवि एजुकेटर और इनोवेटर की है। इसलिए जब वे आंदोलन से जुड़े और उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के साथ साथ शिक्षा व परीक्षा की गडबड़ियों को मुख्य मुद्दा बनाया तब इस आंदोलन का दायरा बढ़ गया। सरकार इस बात को समझने में नाकाम रही कि यह आंदोलन बहुत बड़ा हो गया है। वह इसकी तीव्रता और व्यापकता को जंतर मंतर पर जुड़ी भीड़ से माप रही थी। जबकि यह जंतर मंतर से ही नहीं, बल्कि सोनम वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी की सीमाओं से भी व्यापक हो गया है। जो लोग भी इसका आकलन जंतर मंतर की भीड़ से करेंगे वे धोखा खाएंगे। इस आंदोलन का दायरा पूरे देश में फैल गया है। देश के अलग अलग हिस्सों में जितने लोग इस आंदोलन का समर्थन करने निकल रहे हैं उसके कई गुना ज्यादा लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसका समर्थन कर रहे हैं और उससे भी कई गुना ज्यादा लोगों के दिलों में इस आंदोलन को लेकर समर्थन का भाव पैदा हुआ है। ऐसा इसलिए है क्योंकि देश का हर परिवार इससे अपने को जुड़ा हुआ पा रहा है। असल में हर राज्य में और हर तरह की परीक्षा में गड़बड़ी हो रही है। यह गड़बड़ी कई किस्म की है। कहीं समय से परीक्षा नहीं हो रही है, परीक्षा हो रही है तो पेपर लीक हो जा रहा है, नतीजों में देरी हो रही है, नतीजों जारी हो रहे हैं तो उनमें गड़बड़ी हो जा रही है, नतीजे आने के बाद भी नियुक्ति नहीं हो रही है और इस पूरी प्रक्रिया में हर साल लाखों बच्चों की उम्र सीमा निकल जा रही है। उसको भले यह नहीं लग रहा हो कि इस आंदोलन से उसकी समस्याओं का पूरा समाधान हो जाएगा फिर भी वह इसलिए इससे जुड़ रहा है क्योंकि उसे यह आंदोलन अपने संचित आक्रोश की अभिव्यक्ति प्रतीत हो रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी भले मई में बनी या सोनम वांगचुक भले शिक्षा का मुद्दा लेकर 28 जून को भूख हड़ताल पर बैठे परंतु छात्रों का मुद्दा मई या जून का नहीं है। पिछले कई बरसों से छात्र और युवा इन समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनके अंदर बरसों से जो गुस्सा इकट्ठा हो रहा था वह इस आंदोलन में अभिव्यक्त हो रहा है। केंद्र सरकार इस आंदोलन को लेकर एक के बाद एक गलतियां करती जा रही है। सोनम वांगचुक के आंदोलन की अनदेखी करना एक गलती थी तो दूसरी गलती पुलिस भेज कर उनको जंतर मंतर से उठवा लेने की थी। तीसरी गलती यह थी कि सरकार ने कोई बैक चौनल वार्ता नहीं की। सीधे जेपी नड्डा से श्कॉकरोच जनता पार्टीच्य के प्रतिनिधियों की मुलाकात कराई गई। यह मुलाकात भी ऐसे समय में हुई, जब हजारों की संख्या में छात्र और युवा सड़क पर थे। उनके ऊपर श्कॉकरोच जनता पार्टीच्य के नेताओं का कोई नियंत्रण नहीं था। इसलिए बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। चौथी गलती यह है कि सरकार छात्रों और युवाओं के आंदोलन को आपराधिक कृत्य बताने का नैरेटिव पुश कर रही है। पुलिस मुकदमे दर्ज कर रही है। सीसीटीवी देख कर आंदोलनकारियों की पहचान की जा रही है। मीडिया में फुटेज लीक करके यह नैरेटिव बनाया जा रहा है कि छात्रों ने पुलिस पर पत्थर फेंके या हमला किया। हो सकता है कि बाद में वार्ता में इसका मोलभाव के तौर पर इस्तेमाल किया जाए। लेकिन यह तय मानें कि छिटपुट घटनाओं को आधार बना कर युवाओं के स्वंयस्फूर्त आंदोलन की साख बिगाड़ने की कोशिश से सरकार की छवि सकारात्मक नहीं बनेगी।

शतकीय यात्रा पर भारतीय प्रसारण

उमेश

आज का दिन भारतीय प्रसारण के इतिहास में विशेष महत्व है। ठीक 99 साल पहले 23 जुलाई 1927 को मुंबई में भारत में पहले व्यवस्थित और संस्थानिक प्रसारण की शुरूआत हुई थी। इस लिहाज से भारतीय प्रसारण आज से अपनी शतकीय सोपान की ओर बढ़ रहा है। इस शतकीय यात्रा में रेडियो की तकनीक में बहुत बदलाव हुआ है। पारंपरिक मीडियम वेब से लेकर शॉर्ट वेब होते हुए रेडियो अब एफएम यानी फ्रीक्वेंसी मॉड्यूल के साथ ही डिजिटल दौर में प्रवेश कर गया है। मीडिया के चरित्र में भी सौ साल में बहुत बदलाव हो गया है, लेकिन रेडियो आज भी संवाद और मनोरंजन के सहज संचार माध्यम के रूप में जिंदा है। आसानी से हर जगह उपलब्धता और विशेष तकनीक की वजह से आपदा के क्षणों में संचार के दूसरे माध्यमों की तुलना में रेडियो अब भी सबसे ज्यादा प्रभावी माध्यम बना हुआ है। समुद्री तूफानों, सुनामी, कश्मीर घाटी की बाढ़ आदि मौकों पर संवाद के लिए रेडियो ने अपनी ताकत और उपादेयता को बार–बार साबित किया है। देश से माओवादी और नक्सली आतंक का खात्मा हो चुका है, लेकिन एक दौर में विशेषकर बस्तर के नक्सली इलाकों में नक्सलियों से संवाद के लिए रेडियो का ही इस्तेमाल किया जाता था। इसे संयोग ही कहेंगे कि जब रेडियो प्रसारण तकनीक का आविष्कार हुआ, उन दिनों देश गुलामी की जंजीरों से बंधा था। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भारत में भी प्रसारण की प्रेरणा ब्रिटेन से मिली। रेडियो प्रसारण तकनीक के विकास के साथ ही 1922 में बीबीसी का गठन हो चुका था। हालांकि ब्रिटेन में इसके पहले ही निजी और शौकिया प्रसारण की शुरूआत हो चुकी थी। इसका असर भारत पर भी पड़ा। भारत में भी 1920 से 1926 के बीच तत्कालीन बंबई और कलकत्ता में रेडियो क्लबों की शुरूआत हुई। उन क्लबों ने अपने तरीके से प्रसारण के किंचित सफल और ज्यादातर असफल प्रयास भी किये। उन दिनों भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड इर्विन थे। अखबारों की तुलना में रेडियो प्रसारण की अहमियत और प्रभाव को इर्विन समझते थे। शायद यही वजह रही कि भारत में 1926 में गठित इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कुछ रिकॉर्ड के मुताबिक बांबे प्रेसिडेंसी रेडियो क्लब ने जून 1923 में पहला रेडियो प्रसारण किया। इसके करीब पांच महीने बाद नवंबर 1923 में कलकत्ता रेडियो क्लब की स्थापना हुई। ऐसे ही प्रयास तत्कालीन मद्रास में भी हुए। लेकिन पहला व्यवस्थित और संस्थानिक रेडियो प्रसारण इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने 23 जुलाई 1927 को मुंबई से किया था। इसी वजह से भारत हर साल 23 जुलाई को प्रसारण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके महीनेभर बाद 26 अगस्त 1927 को कलकत्ता से बांग्ला में प्रसारण शुरू हुआ। इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी छह लाख की पूंजी से शुरू की गई थी। कंपनी ने रेडियो प्रसारण के लिए अंग्रेज सरकार से 13 सितंबर 1926 को करार हुआ, जिसके तहत उसने प्रसारण शुरू किया। कंपनी को पूंजी में से साढ़े चार लाख दोनों रेडियो केंद्रों की स्थापना में ही खर्च हो गए। तब आमदनी का स्रोत रेडियो लाइसेंस फीस थी, जो प्रति रेडियो दस रूपए थी। बहुत कोशिशों के बावजूद सिर्फ आठ हजार ही लाइसेंस दिए जा सके। तब प्रसारण डेढ़–डेढ़ किलोवाट के ट्रांसमीटरों से बमुश्किल तीस मील के ही दायरे में हो पा रहा था, लिहाजा रेडियो का प्रसार नहीं बढ़ा। कंपनी को रेडियो प्रसारण के लिए बड़ी रकम खर्च करनी पड़ रही थी। लिहाजा यह कंपनी 1930 में ही बंद हो गई। भारत में आधुनिक प्रसारण की ठोस बुनियाद रखने का श्रेय भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड लिनलिथगो और ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कंपनी के पूर्व प्रसारक लायनेड फील्डेन को जाता है। लिनलिथगो की पहल पर उद्योग और श्रम विभाग के अधीन अप्रैल 1930 में इंडियन स्टेट ब्राडकास्टिंग सर्विस की शुरूआत हुई। इसे रेडियो प्रसारण को नया रूप देना था। इसके बाद अगस्त 1935 में लायनेड फील्डेन को इस सर्विस का कंट्रोलर नियुक्त किया गया। फील्डेन को यह नाम पसंद नहीं आ रहा था। फील्डेन ने अपनी पुस्तक 'नेचुरल बेंट' में लिखा है कि उन्होंने लिनलिथगो को सुझाया कि ब्रॉडकास्टिंग शब्द कठिन है, जो आसानी से भारतीयों की जुबान पर नहीं चढ़ पाएगा। फिर यह नाम भारत सरकार अधिनियम के अनुकूल नहीं है। लिहाजा उन्होंने इसे 'ऑल इंडिया रेडियो' करने का सुझाव दिया। जिसे लिनलिथगो ने स्वीकार कर लिया। इसी के बाद आठ जून 1936 को ऑल इंडिया रेडियो के नाम से दिल्ली के अलीपुर के छह कमरों के एक घर से रेडियो प्रसारण शुरू हुआ। कुछ महीने बाद यह दफ्तर दिल्ली के संसद मार्ग स्थित नए बने प्रसारण भवन में आया और तब से लेकर अब तक दिल्ली केंद्र का प्रसारण वहीं से हो रहा है। तीन मई 2023 से ऑल इंडिया रेडियो आकाशवाणी के नाम से जाना जा रहा है। वैसे ऑल इंडिया रेडियो को आकाशवाणी नाम गांधी जयंती के दिन 1957 में दिया गया, जिसे अगले दिन से लागू किया गया। आकाशवाणी का जिक्र हमारे पौराणिक ग्रंथों में आकाश से आने वाली आवाज या देववाणी के रूप में मिलता है।

वैसे आकाशवाणी के नाम से मैसूर के विद्वान एमवी गोपालस्वामी ने 10 सितंबर 1935 से रेडियो प्रसारण शुरू किया था। यह प्रसारण केंद्र मैसूर राजमहल से कुछ सौ मीटर दूर स्थित है। आकाशवाणी का जिक्र 1938 में कलकत्ता में शॉर्ट वेब के प्रसारण की शुरूआत के वक्त भी हुआ। तब प्रसारण के लिए ऑल इंडिया रेडियो ने गुरूदेव रवींद्र नाथ टैगोर से एक कविता मांगी थी। टैगोर ने बांग्ला की जो कविता दी, उसमें रेडियो के लिए आकाशवाणी शब्द का प्रयोग हुआ है। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय देश में रेडियो का विस्तार हो रहा था, उन्हीं दिनों स्वाधीनता आंदोलन चरम पर था। उसी दौरान 1942 में डॉक्टर राममनोहर लोहिया और ऊषा मेहता की अगुआई में मुंबई से कांग्रेस रेडियो और रंगून से सुभाष चंद्र बोस ने आजाद रेडियो का प्रसारण शुरू किया। बोस जहां अपने रेडियो के जरिए भारतीय जनता से संवाद कर रहे थे, वहीं कांग्रेस रेडियो भूमिगत ढंग से चलाया जा रहा था। जिसके जरिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्वतंत्रता आंदोलनकारियों को सूचनाएं दी जा रही थीं। उन्हीं दिनों अंग्रेज सरकार ने देश में नौ रेडियो प्रसारण केंद्र स्थापित किए।

बेपटरी होते आंदोलन के कारण या कुछ और है वजह, वांगचुक के अनशन तोड़ने की इनसाइड स्टोरी

अभिनय

आज बात उस सवाल की, जिसने देश के लाखों छात्रों और युवाओं के दिल में एक कसक छोड़ दी है। लद्दाख के पर्यावरणविद सोनम वांगचुक जिन्होंने नीट (छम्म्ज) के छात्रों की आवाज बनकर 26 दिनों तक अन्न का एक दाना नहीं उठाया, जब उन्होंने मंत्रियों से मुलाकात के बाद अपना अनशन तोड़ा... तो जश्न की जगह सन्नाटा और सवालों का बवंडर खड़ा हो गया! अजीबोगरीब मोड़ देखिए जो लोग 26 दिन से सोनम वांगचुक को कोस रहे थे, आज वही उन्हें 'महान' और 'समझदार' बता रहे हैं। जो छात्र, जो समर्थक कल तक उनके नाम का नारा लगा रहे थे, आज वही दबी जुबान में पूछ रहे हैं– सोनम सर, ये क्या कर दिया? क्या यह बेवफाई है? तो आज सबसे बड़ा और कड़वा सवाल यही है–क्या सोनम वांगचुक ने छात्रों का भरोसा तोड़ा या फिर उन्होंने दूरदर्शिता और समझदारी दिखाई? क्या सोनम सच में बेवफा हैं... या फिर आंदोलन की बाजी पलटने वाले सबसे समझदार खिलाड़ी? आइए, आज के एमआरआई में इसी गुत्थी की इनसाइड स्टोरी से पर्दा उठाते हैं। लोकतंत्र में प्रतिरोध का मतलब है अपने हक की लड़ाई के लिए आवाज उठाना। गलत के खिलाफ बोलना और देश चलाने का जिम्मा लेने वालों से जवाबदेही तलब करना। भारत का इतिहास ऐसे ही सफल जन आंदोलनों से लिखा गया है। आजादी की लड़ाई से लेकर 70 के दशक के जेपी मूवमेंट और फिर निर्भया आंदोलन तक हर बड़े बदलाव की नींव सड़क पर ही रखी गई है। जब देश का नौजवान सड़क पर उतरता है तो उसके सीने में सिस्टम के खिलाफ एक जायज आग होती है। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया कॉकरोच शब्द देते हैं। एक आदमी कॉकरोच के नाम से मीम पेज बनाता है। फॉर्म भरवाता है। इंडिया आता है। 4 500 700 लोग नजर आते हैं। आठ दिन बाद सोनम वांगचुक जैसा चेहरा आता है। एक मीम पेज प्देजंहतंउ पेज सडनली एक बड़ा आंदोलन बन जाता है। देश दुनिया में सबकी निगाहें जाती हैं। भीड़ बढ़ने जा लगती है। हालत यह होती है कि जनता सड़क से संसद जाने को तैयार हो जाती है। नीट परीक्षा में धांधली और पेपर लीक के सताए लाखों स्टूडेंट्स ने जब दिल्ली के जंतर–मंतर पर डेरा डाला तो भारत के मुख्य न्यायाधीश के व्यंग से उपजी कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी ने इस आंदोलन का नेतृत्व संभालने का जिम्मा लिया था। लोग समर्थन भी कर रहे थे और 20 जुलाई को जब चलो संसद का नारा सीजेपी लीडरशिप ने दिया तो देश भर से छात्र दिल्ली पहुंचे। तब तक भी आंदोलन में एक गजब की मासूमियत थी। बच्चे फूल बांट रहे थे। अपनी मांगों को लेकर साफ शब्दों में गुजारिश कर रहे थे। यह सोचकर कि सरकार उनकी सुनेगी। लेकिन जुलाई के आखिरी हफ्ते तक आते–आते इस शांतिपूर्ण प्रतिरोध की तस्वीर अचानक बदल गई। पुलिस और छात्रों के बीच खूनी झड़पें हुई। मीडिया के कैमरे तोड़े गए और पुलिस की गाड़ियों पर तलवारें लहराई गई। सीजेपी का आंदोलन 6 जून को शुरू हुआ था। 28 जून को सोनम वांगचुक के अनशन पर बैठने के साथ ही इसे एक मजबूत नैतिक केंद्र मिल गया। लेकिन सरकार ने हफ्तों तक इन छात्रों की कोई सुध नहीं ली। कोई बातचीत का दरवाजा नहीं खोला गया। इसके उलट 18 जुलाई को पुलिस ने वाकचुक को जबरदस्ती उठाकर अस्पताल पहुंचा दिया। जब आप एक शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक मांग को पुलिस के बूटों तले कुचलने की कोशिश करते हैं तो सड़क पर गुस्सा फटना तय हो जाता है। 20 जुलाई को चलो संसद मार्च के दिन हालात बेकाबू हो गए। 1400 पुलिसकर्मियों की घेराबंदी, बैरिकेड्स और आंसू गैस के गोलों ने दिल्ली को छावनी में तब्दील कर दिया। दर्जनों छात्रों के सर फूटे। जब सत्ता संवाद के बजाय डंडे की भाषा बोलती है तो भीड़ का सब्र भी जवाब दे देता है। 23 जुलाई की आधी रात के कुछ देर बाद, वांगचुक ने 26 दिनों से चल रहा अपना अनशन खत्म किया। राजधानी के मेदांता अस्पताल का एक वीडियो दिखाता है कि यह सब कैसे हुआ। केंद्रीय मंत्री नड्डा और सिंह का हाथ थामे हुए वांगचुक ने कहा कि अपना अनशन खत्म करके मैं आभारी और खुश हूँ। ध न्यवाद। फिर अपनी पत्नी की ओर मुड़कर उन्होंने कहा गीतांजलि हमेशा मेरे साथ रही हैं। मैं आपको धन्यवाद नहीं देना चाहता, बल्कि अपनी भावनाएं जाहिर करना चाहता हूँ। बाद में जेपी नड्डा वांगचुक को सरकार के आश्वासन पढ़कर सुनाते हुए दिखे। मंत्री ने कहा कि सरकार दिल्ली के जंतर–मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध करने वालों और 20 जुलाई, 2026 को संसद तक मार्च में शामिल होने वालों के खिलाफ केस दर्ज न करने को लेकर सकारात्मक है। सरकार पहले ही बातचीत के जरिए पेपर लीक और परीक्षाओं से जुड़े शिक्षा सुधारों का समाधान निकालने का भरोसा दे चुकी है। इसके अलावा, सरकार हाल ही में हुए छम्म्ज पेपर लीक के कारण आत्महत्या करने वालों के परिवारों को उचित मुआवजा देने पर भी सकारात्मक रूप से विचार कर रही है। खास बात यह है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का कोई जिक्र नहीं किया गया, जो 28 जून को भूख हड़ताल शुरू करते समय वांगचुक की शुरुआती मांग थी। इस प्रोटेस्ट को और ज्यादा मजबूती तब मिली जब सोनम वांगचुक इस प्रोटेस्ट में शामिल हुए और उन्होंने भूख हड़ताल शुरू कर दी। एक तरह से कहें तो उस दिन के बाद सोनम वांगचुक इस प्रोटेस्ट की रीड बन गए थे। क्योंकि सोनम वांगचुक के जुड़ने के बाद वो लोग भी इस प्रोटेस्ट में आए जो दरअसल पर्यावरण को बचाने की देख रखते हैं। एक गंभीरता उन्होंने गंभीरता उन्होंने दे दी इस प्रोटेस्ट को। मगर लंबे वक्त के बाद अब लगभग 26 दिन के अनशन के बाद भूख हड़ताल के बाद। अब उन्होंने मतलब जूस पिया वो भी जेपी नड्डा के हाथ से। जेपी नड्डा के हाथ से इस इस वजह से जरूरी हो जाता है क्योंकि उसी सरकार के खिलाफ यह लोग लगातार आवाजें उठा रहे थे। इस मुलाकात का एक वीडियो जारी होता है। जिसमें स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा सोनम वांगचुक को जूस पिला रहे हैं। सिर्फ जेपी नड्डा ही वहां पर नहीं होते बल्कि सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री कार्यालय में जो राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की भी मौजूदगी होती है। सरकार ने बताने की कोशिश की कि पीएमओ से भी एक मिनिस्टर को भेजा गया है। जेपी नड्डा भी अंग्रेजी में अपनी बात रख रहे हैं और सोनम मानचुक भी अपनी बात को अंग्रेजी में ही रखा है। तो कुछ दो ढाई मिनट का वीडियो है। दोनों साइड्स का जहां वो सेटिस्फेक्शन खोजना चाहती थी वो आपको सुनने को मिल जाएगा। जेपी नड्डा भरोसा दिलाते हैं कि सरकार पॉजिटिव है। मतलब सरकार की नियत है ।

विरोध और असहमति के दमन से कमजोर पड़ता लोकतंत्र

राजेश

सरकार ने असहमति और असंतोष की आवाजों को दबाने की सुनियोजित मुहिम चला रखी है। निश्चित रूप से इसका गवर्नेंस पर असर पड़ रहा होगा। जब मंत्री अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह नहीं करते हैं तो इसका सीधा संदेश नीचे तक जाता है। अफसरशाही अपने हिसाब से काम करने लगती है। उसे किसी तरह की कार्रवाई का भय नहीं रहता है। एक्जिक्यूटिव ब्रांच पिछले कुछ दिनों से देश की राजधानी दिल्ली का घटनाक्रम और उसकी कुछ तस्वीरों ने निराशा और असंतोष का भाव पैदा किया है। आंदोलनकारी छात्रों पर पुलिस के बेरहम लाठीचार्ज से लोग विचलित हुए हैं। उसके बाद प्रधानमंत्री आवास के पास धरना दे रहे विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ धक्का–मुक्की और उन्हें कुछ समय के लिए हिरासत लेने की घटना भी अप्रत्याशित है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की अगुआई में छात्र 20 जून से जंतर–मंतर पर धरना दे रहे हैं। उनके समर्थन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगुचक 28 जून से अनशनरत हैं। केंद्र की एनडीए सरकार ने छात्रों और वांगचुक से बातचीत की पहल देर से की है। नीट पेपर लीक के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे छात्रों का आंदोलन अब तक शांतिपूर्ण रहा है। लिहाजा, उनके खिलाफ जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग समझ से परे है। छात्रों की मांग के समर्थन में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी का आक्रामक रूख विरोध के दमन और तिरस्कार की रणनीति का हिस्सा है।छात्रों के मुद्दे का संबंध उनके भविष्य से जुड़ा है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। इसलिए पेपर लीक ने युवाओं को ज्यादा उद्वेलित किया है। किसी परीक्षा में बैठ रहे छात्रों की मानसिक हालत का अंदाजा लगाइए जब उन्हें पता लगता है कि वे जिस परीक्षा के लिए दिन–रात एक कर रहे हैं, उसका पेपर तो पहले ही लीक हो चुका है। पिछले कुछ वर्षों से बड़ी संख्या में परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी का गठन प्रतियोगी परीक्षाओं को साफ–सुथरा और सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया गया है। लेकिन नतीजे उलटे निकले हैं। एजेंसी पेपर लीक नहीं रोक पाई है। कुछ मामूली लोगों के खिलाफ कार्रवाई के अलावा सिस्टम में बड़े सुधार के प्रयास सामने नहीं आए हैं। यह उच्च पदों पर आसीन लोगों की जवाबदेही तय नहीं करने का नतीजा है।12 साल में पहला मौका है जब दिल्ली में हजारों युवाओं का कूच हुआ है। वैसे, मोदी सरकार के खिलाफ दो बड़े आंदोलन हुए हैं। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में दिसंबर 2019 में शुरु हुआ धरना मार्च 2020 तक चला था। शाहीन बाग, दिल्ली में मुस्लिम महिलाओं का धरना दुनियाभर में चर्चित हुआ था। कोविड–19 लॉकडाउन के कारण आंदोलन पर परदा गिर गया। 2020 में कृषि सुधारों के नाम पर लाए गए तीन कानूनों के विरोध में किसानों ने दिल्ली की सीमाओं पर लगभग एक साल तक आंदोलन छेड़ा था। विरोध को तरजीह न देने की नीति के तहत सरकार चुपचाप बैठी रही। उसने आंदोलन को बेअसर करने के कई तरीके आजमाए थे। किसान एक बड़ा वोट बैंक है। इसलिए सरकार को मजबूर होकर तीनों कानून वापस लेने पड़े थे।छात्रों के मौजूदा आंदोलन ने 2011–12 के अन्ना आंदोलन की याद दिलाई है। अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अनशन किया था। उनके समर्थन में अरविंद केजरीवाल, किरण बेदी, प्रशांतभूषण, योगेंद्र यादव और कई एक्टिविस्ट, फिल्म स्टार सामने आए थे। योग गुरू बाबा रामदेव और आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर भी सक्रिय रहे। आंदोलन लंबा चला। उसमें देश के कई राज्यों से लोग जुटे थे। कई दूसरे शहरों में लोगों ने विरोध जताया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने आंदोलन को सहारा दिया था। वह परदे के पीछे सक्रिय थी। उस वक्त प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने आंदोलनकारियों से बातचीत के लिए वरिष्ठ मंत्री प्रणब मुखर्जी की अगुआई में मंत्रियों की समिति बनाई। समिति ने धरना स्थल पर जाकर आंदोलनकारियों से बातचीत की थी। अन्ना आंदोलन से सबसे अधिक फायदा भाजपा को मिला है। वह 2014 में स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आ गई। अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी बनाई। उसने

2015 में दिल्ली विधानसभा की 70 में से 67 सीटें जीतकर सिंहासन की कमान संभाली थी।2011–12 और मौजूदा राजनीतिक स्थितियों में काफी अंतर आ चुका है। उस दौर में सत्ता के प्रमुख स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका काफी हद तक जीवंत और स्वतंत्र थे। लोकतंत्र का चौथा खंभा मीडिया आजादी से काम करता था। इन दिनों संसद और अधिकतर विधानसभाओं में बहस का दायरा सिमट रहा है। संसद में विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों और विषयों पर अक्सर बहस की अनुमति नहीं मिलती है। महत्वपूर्ण विधेयक चर्चा के बिना कानून बन जाते हैं। संसदीय नियमों की आड़ में बहस पर अंकुश लगा दिया गया है। कार्यपालिका तो पूरी तरह नतमस्तक है। न्यायपालिका की स्थिति भी उम्मीदें नहीं जगाती है। कई अहम मसलों पर वह सरकार के पक्ष में रहती है। अखबार लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका विपक्ष के पूरक जैसी होती है। वह शासकों से जवाब मांगता है, कानून का शासन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। याद कीजिए अन्ना आंदोलन को किस तरह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अखबारों का समर्थन मिला था। टीवी चौनलों पर आंदोलन का लाइव प्रसारण चलता था। आए दिन सरकार के खिलाफ सनसनीखेज भंडाफोड़ होते थे। आरोपों के सीरियल जैसे चलते थे। आज देखिए अखबार, टीवी चौनल और डिजिटल मीडिया विपक्ष की आवाज को अहमियत नहीं देते हैं। उलटे मीडिया का एक हिस्सा विपक्ष के पीछे पड़ा रहता है। सरकार की खामियों को सामने लाने की बजाय वह विपक्ष को निशाना बनाता है। यह आश्चर्यजनक बदलाव पहले नहीं देखा गया था। इसके पीछे प्रलोभन के अलावा सरकारी कार्रवाई के डर की भूमिका हो सकती है। लोकतंत्र के लिए ऐसी स्थिति चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत में सिर्फ इमरजेंसी के दौरान मीडिया दमन का शिकार हुआ था। उस वक्त सेंसरशिप लागू थी। कई पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया था। इन दिनों सरकार के खिलाफ उठने वाली आवाजों को मीडिया में अपेक्षित जगह नहीं मिलती है। 2015 से मीडिया के बड़े हिस्से ने सरकार के सामने जैसे समर्पण कर रखा है। प्रधानमंत्री के लगभग हर भाषण का लाइव प्रसारण होने लगा है। पत्रकारों के खिलाफ हिंसा में बढ़ोतरी, मीडिया के स्वामित्व का केंद्रीकरण, उसके एक हिस्से का राजनीतिकरण और सिविल सोसायटी पर दबाव की वजह से ऐसी स्थिति बनी है। सरकार के लिए असुविधाजनक संस्थानों को कुछ पूंजीपतियों ने खरीद लिया है। 2024 में भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण मीडिया के स्वर में थोड़ा बदलाव आया है। अब विपक्ष को पहले से अधिक जगह मिल रही है। मीडिया में सरकार विरोधी तेवर दिखाई पड़ने लगे हैं।

10 हजार रुपये की रिश्वत लेते शाहगंज तहसील का चकबंदी कानूनगो विजिलेंस के हत्थे चढ़ा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में शाहगंज कोतवाली थाना अंतर्गत भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सतर्कता अधिष्ठान निवारण वाराणसी की टीम ने शुक्रवार को शाहगंज तहसील परिसर में बड़ी कार्रवाई करते हुए चकबंदी कानूनगो को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में हड़कंप मच गया और पूरे दिन इस घटना की चर्चा होती रही। खुटहन थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव निवासी श्रीमान सिंह पुत्र स्व तीरथ राज ने चकबंदी से संबंधित मामले में शाहगंज कार्यालय में आपत्ति दर्ज कराई थी। आरोप है कि मामले में अनुकूल रिपोर्ट लगाने के एवज में चकबंदी कानूनगो अनिल कुमार ने 10 हजार रुपये की रिश्वत

की मांग की थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत सतर्कता अधिष्ठान वाराणसी से की। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस टीम ने गोपनीय जांच कर आरोपों की पुष्टि की और आरोपी को रंगे हाथ पकड़ने के लिए ट्रैप की योजना बनाई। शुक्रवार को शिकायतकर्ता ने शाहगंज तहसील परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार के पास आरोपी को तय रकम सौंपी। जैसे ही कानूनगो ने रिश्वत की राशि ली, पहले से घात लगाए विजिलेंस अधिकारियों ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। तलाशी के दौरान रिश्वत की रकम भी बरामद कर ली गई। गिरफ्तारी के बाद टीम आरोपी को अपने साथ पूछताछ के लिए वाराणसी ले गई। विजिलेंस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। सतर्कता अधिष्ठान ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी किसी कार्य के बदले अवैध धन की मांग करता है तो उसकी सूचना तत्काल विजिलेंस को दें। शिकायत की गोपनीय जांच के बाद दोषी पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन हर स्तर पर करेगा संघर्ष - बनवारीलाल कंछल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद बनवारीलाल कंछल ने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनके सम्मान के लिए संगठन हमेशा संघर्षरत रहेगा। व्यापारियों की हर जायज समस्या का समाधान कराने के लिए शासन और प्रशासन स्तर पर प्रभावी पहल की जाएगी। शनिवार को नगर के एक होटल में आयोजित जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की विशेष बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बनवारीलाल कंछल ने जनपद की विभिन्न तहसीलों, नगरों और बाजार इकाइयों से आए पदाधिकारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह श्इंदुश ने की। बैठक में व्यापारियों ने बाजारों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव, सुरक्षा व्यवस्था की कमी, अतिक्रमण, यातायात जाम, बिजली, साफ–सफाई, जिला पंचायत द्वारा लगाए जा रहे मनमाने शुल्क, खाद्य विभाग की सैंपलिंग के नाम पर कथित उत्पीड़न तथा जीएसटी रिटर्न से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस पर कंछल ने भरोसा दिलाया कि संगठन व्यापारियों के हर मुद्दे को मजबूती से उठाएगा। जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह श्इंदुश ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि व्यापारी समाज की एकजुटता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठनात्मक गतिविधियों को गांव और बाजार स्तर तक मजबूत करने की अपील की। बैठक में प्रांतीय मंत्री शकील अहमद, जिला संगठन मंत्री अब्दुल हक अंसारी, विजय गुप्ता, मुकेश चंद्र जायसवाल, संजय यादव, अरुण कमलापुरी, जीवन लाल अग्रहरि, डॉ. नरसिंह, लल्लन प्रताप सिंह, इकराम अंसारी, पवन गुप्ता सहित सैकड़ों पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर शाहगंज तहसील के पटैला बाजार के प्रतिष्ठित व्यवसायी विनोद सेठ को संगठन का प्रांतीय मंत्री मनोनीत किया गया। बैठक से पूर्व जनपद आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष बनवारीलाल कंछल का जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह श्इंदुश ने बुके भेंट कर स्वागत किया। नगर सीमा पर नगर अध्यक्ष घनश्याम साहू, महामंत्री आलोक रंजन सिन्हा, जिला कोषाध्यक्ष उमेशचंद गुप्त तथा त्रिलोचन इकाई के अध्यक्ष आलोक वर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर उनका भव्य अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री आरिफ हबीब ने किया तथा अंत में सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विद्यालय समय में अशोभनीय वीडियो देखने के आरोप में सहायक अध्यापक निलंबित, बीएसए ने बैठाई जांच

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बेसिक शिक्षा विभाग ने विद्यालय में अनुशासनहीनता और लापरवाही के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए कंपोजिट विद्यालय बीबीपुर, विकास खंड सिरकोनी के सहायक अध्यापक प्रदीप कुमार सिंह को शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर कुमार के इस आदेश के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। बीएसए कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, 23 जुलाई 2026 को ग्राम प्रधान की शिकायत पर विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि संबंधित शिक्षक विद्यालय समय में मोबाइल पर अशोभनीय वीडियो देख रहे थे। इसके अलावा विद्यालयीय कार्यों में लापरवाही बरतने तथा छात्रों से निजी कार्य कराने जैसे गंभीर आरोप भी सामने आए। इस संबंध में जानकारी लेने पर बीएसए समीर कुमार ने बताया कि संबंधित शिक्षक के विरुद्ध पूर्व में भी कई शिकायतें प्राप्त हो चुकी थीं। आरोपों की गंभीरता को देखते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि के दौरान उनका संबद्धीकरण पूर्व माध्यमिक विद्यालय कादीपुर, विकास खंड सिरकोनी से किया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए खंड शिक्षा अधिकारी करंजाकला और खंड शिक्षा अधिकारी सुजानगंज को संयुक्त रूप से जांच अधिकारी नामित किया गया है। दोनों अधिकारियों को निर्धारित समय में जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। बीएसए ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद विभागीय नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस कार्रवाई को लेकर शिक्षा विभाग में दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा।

आईवीएफ केवल एक उपचार पद्धति नहीं, बल्कि निःसंतान दंपतियों के जीवन में नई उम्मीद का माध्यम है - डॉ अंजू कन्नौजिया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विश्व आईवीएफ दिवस के अवसर पर आशीर्वाद हॉस्पिटल एवं आईवीएफ सेंटर में जागरूकता एवं उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बांझपन के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना, आधुनिक आईवीएफ तकनीक की जानकारी देना तथा सफल आईवीएफ परिवारों के अनुभवों को साझा करना रहा। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया जब आईवीएफ उपचार से संतान सुख प्राप्त कर चुके एक दंपति ने अपने स्वस्थ शिशु के साथ विश्व आईवीएफ दिवस का केक काटकर खुशी मनाई। दंपति ने वर्षों के संघर्ष और सफल उपचार के बाद माता–पिता बनने की अपनी यात्रा साझा करते हुए आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. अंजू कनौजिया और उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. अंजू कनौजिया (एमबीबीएस, एमएस) ने कहा कि आईवीएफ केवल एक उपचार पद्धति नहीं, बल्कि निःसंतान दंपतियों के जीवन में नई उम्मीद और नई शुरुआत का माध्यम है। उन्होंने कहा कि समय पर सही जांच, उचित परामर्श और आधुनिक उपचार से अधिकांश दंपतियों का माता–पिता बनने का सपना साकार हो सकता है। उन्होंने बताया कि आशीर्वाद हॉस्पिटल एवं आईवीएफ सेंटर में अत्याधुनिक तकनीक और अनुभवी विशेषज्ञों की टीम के माध्यम से अब तक अनेक परिवारों को मातृत्व एवं पितृत्व का सुख मिल चुका है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बांझपन को सामाजिक कलंक न मानें, बल्कि इसे एक उपचार योग्य चिकित्सकीय स्थिति समझते हुए समय पर विशेषज्ञ से सलाह लें। कार्यक्रम के दौरान आईवीएफ, महिला एवं पुरुष बांझपन, जीवनशैली में सुधार और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उपस्थित दंपतियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें विशेषज्ञ परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. विनोद कुमार ने सभी अतिथियों, सफल आईवीएफ परिवारों, मीडिया प्रतिनिधियों और अस्पताल की टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की। कार्यक्रम का समापन विश्व आईवीएफ दिवस की शुभकामनाओं के साथ हुआ। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि ष्हर मुस्कुराता हुआ आईवीएफ बेबी उम्मीद, विश्वास और आधुनिक चिकित्सा की सफलता का प्रतीक है।

मेदांता लखनऊ ने बनाया नया रिकॉर्ड, 5,000 कार्डियक सर्जरी पूरी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मेदांता हॉस्पिटल, लखनऊ ने अपनी स्थापना के बाद से 5,000 कार्डियक सर्जरी पूरी करने का नया रिकॉर्ड बनाया है। यह उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में एडवांस कार्डियोवैस्कुलर और थोरेसिक सर्जरी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। मेदांता लखनऊ की कार्डियक टीम ने कार्डियोवैस्कुलर और थोरेसिक सर्जरी की सभी प्रमुख सेवाओं में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। अस्पताल में मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी, रोबोटिक कार्डियक सर्जरी, बच्चों के लिए एडवांस कार्डियक सर्जरी, पहले दिल की सर्जरी करा चुके मरीजों की दोबारा होने वाली जटिल कार्डियक सर्जरी और एडवांस हाइब्रिड एओर्टिक सर्जरी नियमित रूप से की जा रही हैं। अस्पताल अब तक 50 से अधिक सफल रोबोटिक कार्डियक सर्जरी भी कर चुका है, जो एडवांस और कम चीरा लगने वाली कार्डियक सर्जरी में उसकी विशेषज्ञता को दर्शाती हैं। इसके साथ ही अस्पताल ने ऐसे मरीजों की भी सफल सर्जरी की है, जिनकी हालत काफी गंभीर थी या जिनकी सर्जरी को डॉक्टर बहुत चुनौतीपूर्ण मानते हैं। डॉ. गौरांग मजूमदार, डायरेक्टर, कार्डियक सर्जरी, मेदांता हॉस्पिटल, ने कहा, ष्5,000 कार्डियक सर्जरी का यह रिकॉर्ड हजारों मरीजों के स्वस्थ जीवन की नई शुरुआत का उदाहरण है। हर सफल सर्जरी के साथ हमने एक मरीज का भरोसा जीता और एक परिवार के चेहरे पर मुस्कान लौटाने की कोशिश की है। हमारी टीम 50 से अधिक रोबोटिक कार्डियक सर्जरी भी सफलतापूर्वक कर चुकी है, जो इस क्षेत्र में सबसे आधुनिक तकनीक मरीजों तक पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। रोबोटिक और मिनिमली इनवेसिव सर्जरी जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए, पहले सर्जरी करा चुके मरीजों की दोबारा होने वाली जटिल सर्जरी और गंभीर मामलों में भी बेहतरीन परिणाम देना हमारी प्राथमिकता रही है। हम लखनऊ में ही विश्वस्तरीय कार्डियक उपचार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। मेदांता हॉस्पिटल, लखनऊ आधुनिक तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञों और विभिन्न विशेषज्ञताओं वाले डॉक्टरों की संयुक्त टीम के साथ लगातार बेहतर इलाज उपलब्ध करा रहा है, ताकि मरीजों को विश्वस्तरीय उपचार और बेहतर परिणाम मिल सकें।

3000 वर्ष पुरानी हुलासखेड़ा सभ्यता को मिलेगी नई पहचान

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के निकट मोहनलालगंज स्थित लगभग 3000 वर्ष पुरानी हुलासखेड़ा पुरातात्विक स्थल को संरक्षित कर प्रमुख विरासत एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण, संवर्द्धन और पर्यटन विकास के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्य करा रही है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा यहां आधुनिक पर्यटन सुविधाओं के साथ विरासत संरक्षण का कार्य तेजी से कराया जा रहा है।उन्होंने बताया कि हुलासखेड़ा ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। वर्तमान में यहां खुले रंगमंच, शौचालय, कैफेटेरिया तथा आकर्षक उद्यान एवं सौंदर्यीकरण का निर्माण कराया जा रहा है। उद्देश्य इस संरक्षित पुरास्थल को उत्कृष्ट विरासत स्थल के रूप में विकसित कर देश–विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाना है।जयवीर सिंह ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय ने प्रथम चरण में 1.75 करोड़ रुपये की लागत से स्थल संरक्षण का कार्य पूरा कराया है। वहीं चालू वित्तीय वर्ष में द्वितीय चरण के तहत 1.69 करोड़ रुपये की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। इसे शीघ्र स्वीकृति मिलने के बाद दूसरे चरण के संरक्षण कार्य शुरू कर दिए जाएंगे।उन्होंने कहा कि संरक्षण के दोनों चरणों तथा पर्यटन विभाग द्वारा विकसित की जा रही आधारभूत पर्यटन सुविधाओं के पूरा होने के बाद हुलासखेड़ा प्रदेश के प्रमुख पुरातात्विक एवं विरासत पर्यटन स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। इससे शोध, शिक्षा और सांस्कृतिक पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी।मंत्री ने बताया कि हुलासखेड़ा लगभग 3000 वर्ष पुरानी दबी हुई सभ्यता के लिए प्रसिद्ध है। यहां ईंटों से निर्मित प्राचीन सड़कें और युद्ध के देवता कार्तिकेय की सोने के पत्र पर उकेरी गई दुर्लभ आकृति प्राप्त हुई है। माना जाता है कि इस क्षेत्र में लगभग 1000 ईसा पूर्व लौह युग के दौरान मानव बसावट प्रारंभ हुई थी।वैज्ञानिक उत्खनन के दौरान यहां मौर्य, शुंग, कुषाण और गुप्त काल की कई सांस्कृतिक परतें सामने आई हैं।

लखनऊ में निर्माणाधीन भवन की लिफ्ट गिरने से चार मजदूर घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के महानगर थाना क्षेत्र स्थित विज्ञानपुरी के शालीमार गैलेंट में निर्माणाधीन भवन में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। भवन में प्लास्टर का कार्य कर रहे मजदूरों को ले जा रही लिफ्ट अचानक टूटकर बेसमेंट में गिर गई, जिससे उसमें सवार चार मजदूर घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।पुलिस के अनुसार घटना गुरुवार सुबह करीब 11रू30 बजे हुई। निर्माण कार्य के दौरान लिफ्ट में सवार चार मजदूर प्लास्टर का काम कर रहे थे। इसी दौरान लिफ्ट टूटकर सीधे बेसमेंट में जा गिरी, जिससे चारों मजदूर घायल हो गए।पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल नीरा हॉस्पिटल, लखनऊ में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार घायलों में तीन मजदूरों को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि एक मजदूर को मामूली चोट लगी है। राहत की बात यह है कि सभी घायल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि पर सपा ने दी श्रद्धांजलि, सामाजिक न्याय के संकल्प को दोहराया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर

शनिवार को जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व सांसद वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने की। इस दौरान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूलन देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके संघर्ष, साहस और सामाजिक न्याय के लिए किए गए योगदान को याद किया। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि फूलन देवी ने समाज के शोषित, वंचित और कमजोर वर्गों की आवाज बुलंद करने का कार्य किया। उनका संघर्ष और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी उनके आदर्शों पर चलते हुए सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे के मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। कार्यक्रम को विधायक पंकज पटेल, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व मंत्री संगीता यादव, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, राजेश यादव, सुशील दुबे, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव श्टाइगरश, हीरालाल विश्वकर्मा, अवधेश पटेल, डॉ. वीरेंद्र यादव, महेंद्र यादव श्नेपालश, पूर्व प्रमुख रमापति यादव सहित अनेक नेताओं ने संबोधित किया। बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में समाजवादी पार्टी के आजमगढ़ जनपद की निजामाबाद विधानसभा सीट से विधायक आलमबदी आजमी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। साथ ही नीट पेपर लीक प्रकरण से जुड़े 22 छात्र–छात्राओं को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष श्यामबहादुर पाल ने किया।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने किया सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि मां श्री महाकाली विद्यालय इंटर कॉलेज नीलमथा लखनऊ में विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर भवानी दत्त भट्ट जी के सौजन्य से कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि मेजर जनरल संजीव डोगरा की गरोलीमामई उपस्थित रही। इस समारोह में विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर भवानी दत्त भट्ट जी ने अखिल भारतीय पूर्व सैनिक परिषद के सदस्यों एवं पदाधिकारियों को आमंत्रित किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की तरफ से ऑनरेरी कैप्टन शत्रुघ्न सिंह वीर चक्र के साथ अवध प्रांत महासचिव सूबेदार मेजर बी एल वर्मा, प्रांत कोषाध्यक्ष नायब सूबेदार अशोक कुमार पांडे जी, प्रान्त सचिव सूबेदार मेजर राजीव द्विवेदी, ऑनरेरी कैप्टन चामू सिंह टाकुली, सूबेदार मेजर पी सुरेश कुमार, सूबेदार मेजर बरमेश्वर सिंह, उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन की तरफ से सभी उपस्थित पूर्व सैनिकों का माल्यार्पण करके अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर विशेष रूप से सम्मान दिया गया। कार्यक्रम के दौरान ऑनरेरी कैप्टन शत्रुघ्न सिंह वीर चक्र ने कारगिल युद्ध की संक्षिप्त वीरगाथा प्रस्तुत की। जिसे सुनकर उपस्थित बच्चों में जोश भर गया। सभागार में उपस्थित जन समूह ने करतल ध्वनि से सेना के रणबाकुरों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। निश्चित रूप से विद्यालय जैसे संस्थानों द्वारा सैनिकों और सेना के प्रति सम्मान की भावना में ऐसे समारोहों का आयोजन करना एक सकारात्मक पहल है।

जौहर विश्वविद्यालय के भवनों को ध्वस्त करने का मामला–अजय राय ने राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग की

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के भवनों को ध्वस्त किए जाने के मामले में राज्यपाल को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और शिक्षा जगत में व्यापक चिंता व्याप्त है। प्रदेश की संवैधानिक प्रमुख और सभी राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति होने के नाते राज्यपाल को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए।अजय राय ने अपने पत्र में कहा कि शिक्षा और जनकल्याण के उद्देश्य से स्थापित विश्वविद्यालय किसी सरकार, राजनीतिक दल या व्यक्ति की संपत्ति नहीं होते, बल्कि वे राष्ट्र की बौद्धिक पूंजी और समाज की साझा धरोहर होते हैं। सरकारें बदलती रहती हैं, लेकिन शिक्षा संस्थानों की गरिमा, उपयोगिता और निरंतरता बनी रहनी चाहिए।उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 30(1) अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और संचालन का मौलिक अधिकार देता है।

वन्दन योजना के तहत श्री रामजानकी मंदिर के विकास कार्य का शिलान्यास, 1.34 करोड़ से होंगे अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित नगर पालिका परिषद स्थित मियापुर के प्राचीन श्री रामजानकी मंदिर में वन्दन योजना के अंतर्गत 1 करोड़ 34 लाख की लागत से कराए जाने वाले अवस्थापना एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भूमि पूजन एवं शिलान्यास शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री गिरीशचंद्र यादव ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि–विधान से किया। इस अवसर पर उन्होंने शिलापट्ट का अनावरण भी किया। शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री गिरीशचंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार धार्मिक स्थलों के संरक्षण, विकास और सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वन्दन योजना के तहत श्री रामजानकी मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक एवं मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण होगा और जौनपुर में धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आस्था के केंद्रों को बेहतर सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि श्री रामजानकी मंदिर जौनपुर की जनता की आस्था का प्रमुख केंद्र है। सरकार द्वारा इस मंदिर के विकास के लिए स्वीकृत परियोजना क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यमंत्री गिरीशचंद्र यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और मंदिर परिसर का स्वरूप अधिक भव्य एवं आकर्षक होगा। कार्यक्रम का संचालन सभासद नंदलाल यादव ने किया, जबकि अध्यक्षता नगर अध्यक्ष दक्षिणी कमलेश निषाद ने की। इस अवसर पर सुनीत प्रकाश श्रीवास्तव शिंपटूश, अतुल सिंह श्काकाश, अरुण सिंह, कमल सिंह, गिरीश कुमार सिंह श्पप्पूश, अतुल श्रीवास्तव, गौरव जायसवाल, मनीष श्रीवास्तव, सुरेंद्र सिंघानिया, बसंत प्रजापति, संतोष मौर्य, माधुरी गुप्ता, मिलन श्रीवास्तव, संदीप, सुप्रतीक गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कांग्रेस मुख्यालय में मनाई गई लोकमान्य तिलक और चंद्रशेखर आजाद की जयंती

लखनऊ, (संवाददाता)। महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती गुरुवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने की। इस अवसर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजय राय ने कहा कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महानायक हैं, जिनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि लोकमान्य तिलक का उद्घोष ष्स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार हैष् स्वतंत्रता आंदोलन का मार्गदर्शक बना।

महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे महिला उप निरीक्षक प्रिया ने मिशन शक्ति अभियान के तहत किया जागरुक

अयोध्या।शनिवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे महिला उप निरीक्षक प्रिया ने पीआरडी कंचन व अन्य महिला पुलिस कर्मियों के साथ गुलाबबाड़ी,रीडगंज व अन्य चौराहों पर अभियान चलाते समय महिलाओ व बालिकाओं से कहीं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद महिलाओ व बालिकाओं से अपील किया कि आप सभी अपने आसपास दिखाई देने वाले संदिग्ध वस्तुओं व व्यक्तियों पर विशेष ध्यान दें। किसी भी तरह की असम का देखते हुए इसकी सूचना महिला पुलिस व स्थानीय पुलिस को दे।उन्होंने कहा कि जिससे समय रहते किसी भी अप्रिय घटना से निपटा जा सके।इसके अलावा उन्होंने अन्य प्रमुख चौराहों तथा मार्गों पर मिशन शक्ति अभियान फेज – 5 के तहत महिलाओ व अन्य लोगो को जागरुक किया।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक करते हुए सुरक्षात्मक उपाय बताया।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स जानकारी दिया।उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें।कहा जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी बने जनपद अयोध्या के राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के जिला समन्वयक

अयोध्या। डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी जनपद अयोध्या के राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के जिला समन्वयक बने। इस संबंध में उन्होंने बताया कि इस वर्ष का मुख्य विषय ष्सतत् विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचारष् जिसके अंतर्गत पांच उप विषय क्रमशः अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु अपशिष्ट को कम करना, पुनः उपयोग, पुनर्प्राप्ति, पुनर्रचना एवं पुनर्चक्रण, दूसरा ऊर्जा के लिए अन्वेषण, प्रयोग, संवर्द्धन एवं विकास रखा गया है।तीसरा उपविषय जल के अंतर्गत वर्षा जल संचयन, जल का समुचित उपयोग, पुनर्चक्रण एवं संरक्षण है।चौथा उपविषय खाद्य, कृषि एवं स्वास्थ्य तथा पांचवां उप विषय सतत् विकास हेतु भारतीय ज्ञान प्रणाली का अनुप्रयोग निर्धारित किया गया है।इन पांच उप विषयों में से बच्चे अपनी रुचि और स्थानीय समस्याओं पर आधारित किसी भी एक उप विषय से संबंधित परियोजना तैयार करेंगे जिनके मार्गदर्शन के लिए किसी एक विषय विशेषज्ञ शिक्षक का सहयोग लेने की परम्परा रही है। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए आन लाइन और ऑफ लाइन प्रशिक्षण कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी।उन्होंने आगे बताया कि बाल विज्ञान कांग्रेस में सहभागिता से बच्चों के सोचने, समझने, लिखने और प्रस्तुत करने के तरीकों में अभूतपूर्व बदलाव आ जाता है जिससे वे अपने व्यवहारिक जीवन में सहज ही सफलता प्राप्त कर लकते हैं। इस कार्यक्रम में 2–2 बच्चों के समूह में शोध परक प्रोजेक्ट तैयार किए जाते हैं। इस प्रक्रिया से बच्चो का ज्ञानवर्धन तो होगा ही और उनमें सोचने, समझने और करने नजरिया ही बदल जाएगा और परिणामतः अपने भविष्य को तार्किक कसौटी पर कसने के साथ ही सही तरीके से संवारेंगे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा युवाओं के संघर्ष की जीत – चेत नारायण सिंह

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। कांग्रेस पार्टी जिलाध्यक्ष चेत नारायण सिंह ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देश के लाखों युवाओं और छात्रों के संघर्ष की जीत बताते हुए कहा कि लाठियों, आंसू गैस और पुलिसिया दमन के बल पर सच को दबाने की कोशिश करने वाली भाजपा सरकार को आखिरकार युवाओं की जिद और लोकतांत्रिक संघर्ष के आगे झुकना पड़ा।महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने अस कहा कि यह जीत उन लाखों मेहनती छात्रों की है, जिन्होंने अपने भविष्य की रक्षा के लिए रातों–रात सड़कों पर उतरकर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आवाज बुलंद की।कांग्रेस पार्टी और नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी लगातार युवाओं के साथ खड़े रहे और आगे भी उनके अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब केवल इस्तीफा पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे मामले की निष्पक्ष, उच्चस्तरीय और समयबद्ध जांच होनी चाहिए, ताकि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी दोषी को किसी भी कीमत पर बख्शा न जाए।पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जंतर–मंतर पर आंदोलनरत छात्रों के दबाव और देशभर के युवाओं के व्यापक आक्रोश के चलते केंद्र सरकार को अंततः शिक्षा मंत्री का इस्तीफा स्वीकार करना पड़ा। यह लोकतंत्र में जनशक्ति की विजय है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पहले छात्रों की आवाज को दबाने के लिए दमन का रास्ता अपनाया, लेकिन सत्य और संघर्ष की जीत हुई। अब सरकार की जिम्मेदारी है कि पूरे शिक्षा तंत्र की गहन जांच कराई जाए और जिन लोगों की लापरवाही अथवा संलिप्तता से छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है, उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला प्रवक्ता शीतला पाठक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश के युवाओं के अधिकारों, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और निष्पक्ष शिक्षा व्यवस्था के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी तथा हर परिस्थिति में छात्रों और युवाओं के साथ खड़ी रहेगी।

शहर के जलभराव हॉटस्पॉट के समाधान का खाका तैयार, सीएम के सामने पेश हुई कार्ययोजना

गोरखपुर, (संवाददाता)। भारी बारिश के बाद शहर में जलभराव से सबसे अधिक प्रभावित चार प्रमुख हॉटस्पॉट गोरक्ष एन्क्लेव, एडी मॉल–विजय चौक, राप्ती कॉम्प्लेक्स और धर्मशाला अंडरपास के स्थायी समाधान के लिए खाका तैयार किया गया है। इसकी विस्तृत कार्ययोजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष प्रस्तुत की गई। नगर निगम और जीडीए की ओर से बृहस्पतिवार को सीएम के समक्ष प्रस्तुतिकरण में प्रत्येक स्थान पर जलभराव के कारणों का विश्लेषण करते हुए अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपायों का पूरा खाका रखा गया। योजना में नए आरसीसी नालों का निर्माण, उच्च क्षमता वाले पंपिंग सिस्टम, संपवेल की क्षमता बढ़ाने और जल निकासी नेटवर्क को मजबूत करने जैसे प्रस्ताव शामिल हैं। गोरखपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम संयुक्त रूप से गोरक्ष एन्क्लेव, ग्रीन वुड, गौतम विहार विस्तार सहित करीब 40 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए नई जल निकासी व्यवस्था विकसित करेंगे। स्मार्ट रोड परियोजना के तहत नक्षत्रशाला से ग्रीन वुड, गोरक्ष एन्क्लेव होते हुए चंपा देवी पार्क तक दोनों ओर आरसीसी नालियां बनाई जा रही हैं। वहीं चंपा देवी पार्क से रामगढ़ताल स्थित सीवेज पंपिंग स्टेशन (एसपीएस) तक नया नाला बनाया जाएगा। चंपा देवी पार्क के पास 10 मीटर लंबा, पांच मीटर चौड़ा और 4.5 मीटर गहरा संपवेल–कम–पम्प हाउस बनेगा, जिसमें 50–50 हॉर्सपावर की चार मोटरें लगाई जाएंगी। अधिकारियों के अनुसार पुराने भूमिगत पाइप नाले के जाम होने, आबादी बढ़ने और कम क्षमता वाली नालियों के कारण जलभराव होता था, जिसे नई परियोजना से दूर किया जाएगा। एडी मॉल, विजय चौक और सावित्री हॉस्पिटल क्षेत्र में तत्काल राहत के लिए 12–12 हॉर्सपावर के पम्प संचालित किए जा रहे हैं। वहीं सुमेर सागर से इलाहीबाग तक नए नाले के निर्माण की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट सीएंडडीएस यूनिट–14 ने तैयार कर शासन को भेज दी है। अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश में सुमेर सागर का जलस्तर बढ़ने से नाले में बैकफ्लो होता है, जिससे गोकुल कॉलोनी, एडी मॉल और विजय चौक तक पानी भर जाता है। राप्ती कॉम्प्लेक्स में हाल ही में टूटे नाले की मरम्मत पूरी कर दी गई है। अब स्थायी समाधान के तहत कॉम्प्लेक्स के चारों ओर डीप ड्रेन बनाई जाएगी, जिससे वर्षा का पानी सीधे संपवेल तक पहुंच सके। मौजूदा संपवेल की क्षमता भी बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग असुरन चौराहे से पिपराइच तक सड़क के दोनों ओर आरसीसी नालों और सड़क निर्माण का कार्य कराएगा। धर्मशाला अंडरपास में डोमिनगढ़ नाले के ओवरफ्लो होने और रेलवे कॉलोनी का पानी अंडरपास की ओर छोड़े जाने से जलभराव की समस्या गंभीर हो जाती है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लोकतंत्र व जनसंघर्ष की जीत – सत्यभान सिंह

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। शहीद भगत सिंह स्मृति ट्रस्ट,के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी ने कहा कि जंतर–मंतर पर युवाओं के संघर्ष की जीत लोकतंत्र की जीत है,कहा कि आखिरकार सरकार का अहंकार पराजित हुआ।जंतर–मंतर पर लंबे समय से संघर्षरत युवाओं की आवाज को मिली सफलता का स्वागत करते हुए इसे लोकतंत्र और जनसंघर्ष की महत्वपूर्ण जीत बताया है।ट्रस्ट का मानना है कि यदि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दिया है, तो यह केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि उन युवाओं के धैर्य, एकजुटता और लोकतांत्रिक संघर्ष की ताकत का परिणाम है जिन्होंने अन्याय के विरुद्ध लगातार अपनी आवाज बुलंद रखी। उन्होंने ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की जायज मांगों की अनदेखी करना,शांतिपूर्ण आंदोलनों को दबाने का प्रयास करना तथा संवाद के बजाय दमन का रास्ता अपनाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है।सरकार को विरोध की आवाज को दुश्मन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की शक्ति के रूप में देखना चाहिए उन्होंने ने कहा कि शहीद–ए–आजम भगत सिंह ने युवाओं को अन्याय के विरुद्ध संगठित होकर संघर्ष करने की प्रेरणा दी थी। जंतर–मंतर का यह आंदोलन उसी लोकतांत्रिक चेतना और संवैधानिक अधिकारों की याद दिलाता है।उन्होंने सरकार को आगाह करते हुए कहा कि वह देश के युवाओं की समस्याओं का समाधान संवाद, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ करे तथा भविष्य में किसी भी जनआंदोलन के प्रति दमनकारी या तानाशाही रवैया अपनाने से बचे।लोकतंत्र में जनता की आवाज का सम्मान ही सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

आबकारी टीम ने कैंट थाना क्षेत्र के कई जगहों पर छापा मारकर 40 लीटर अवैध कच्ची शराब किया बरामद

अयोध्या। इस समय शासन के निर्देश पर प्रदेश भर में अवैध शराब के निष्कर्षण, बिक्री एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है।इसी कड़ी में शनिवार को डीएम शशांक त्रिपाठी, एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर व जिला आबकारी अधिकारी डा० निरंकारनाथ पांडेय के निर्देश पर क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र–1 तथा 3 व 4 अयोध्या की संयुक्त टीम द्वारा कैंट थाना क्षेत्र के जमथरा, रेतिया, निर्मलीकुण्ड , सरियावां दबिश दी गई।इस दौरान आबकारी टीम ने लगभग 02 कुंतल लहन बरामद नष्ट किया गया।इसके साथ ही साथ कुल 40 लीटर अवैध कच्ची शराब भी बरामद कर जब्त किया।वही कुल 02 भट्ठियों को भी मौके पर नष्ट कर शराब बनाने के उपकरण को जब्त किया गया।इस में अरविंद शुक्ला आबकारी निरीक्षक–सदर, सतीश दीक्षित आबकारी निरीक्षक–सोहावल और विवेक पाठक आबकारी निरीक्षक–मिल्कीपुर के अलावा लालमन यादव,रामराज सिंह, पवन तिवारी, घनश्याम गौड़, संजीत सिंह, संदीप सिंह राठौर,रायना बानो शामिल रहीं।

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन करने जा रहे सात छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लेकर छोड़ा

गोरखपुर, (संवाददाता)। दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में टाउनहॉल स्थित गांधी प्रतिमा के पास प्रदर्शन के लिए जुटे सात छात्रों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस सभी छात्रों को थाने ले गई, जहां उनके परिजनों को बुलाया गया। काउंसलिंग के बाद छात्रों को समझाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने छात्रों को बिना अनुमति सार्वजनिक प्रदर्शन करने से होने वाली कानूनी कार्रवाई और उसके प्रभावों की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि किसी भी मामले में प्राथमिकी दर्ज होने से भविष्य और कॅरिअर पर असर पड़ सकता है। इसके बाद छात्रों को कानून का पालन करने और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने की सलाह दी गई। पुलिस के अनुसार, छात्रों के प्रदर्शन की सूचना मिलने पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती कदम उठाया गया था। अधिकारियों ने छात्रों को अफवाहों और भड़काऊ गतिविधियों से दूर रहने की सलाह दी। सीओ कोतवाली ओंकार दत्त ने बताया कि छात्रों के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। उन्हें केवल एहतियात के तौर पर रोका गया था। काउंसलिंग के बाद सभी छात्रों को सुरक्षित परिजनों को सौंप दिया गया। शहर के संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाई गई है और सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है। इधर, जंतर–मंतर पर चल रहे आंदोलन के समर्थन में मंगलवार को बांसगांव विधानसभा क्षेत्र के कौड़ीराम में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं, युवाओं और छात्रों ने पदयात्रा निकालने का प्रयास किया। पुलिस ने पदयात्रा को रास्ते में ही रोक दिया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक भी हुई। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया। इसके बाद पुलिस ने कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर कार्यक्रम समाप्त करा दिया। पदयात्रा में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता, छात्र और युवा शामिल हुए। इस दौरान संजय पहलवान, राम प्रवेश यादव, सुमन पासवान, संजय कुमार, राम अजोर मौर्य, राम निरंजन यादव, हरिकेश पहलवान, सीताराम गोंड, भीम रावत आदि मौजूद रहे। वहीं, कौड़ीराम में नीट परीक्षा लीक और जंतर–मंतर पर लाठीचार्ज के विरोध में पैदल मार्च निकालने की सूचना पर गगहा और बांसगांव थाना पुलिस मौजूद रही।

जंतर मंतर पर छात्रों पर हुए लाठी चार्ज के विरोध में छात्रों और विभिन्न पार्टियों के पदाधिकारी ने किया प्रदर्शन

अयोध्या।शनिवार को नीट पेपर लीक मामले को लेकर जंतर मंतर पर पिछले दिनों से विभिन्न मांगों को लेकर छात्रों पर हुए लाठी चार्ज और दंडात्मक कार्यवाही के खिलाफ शहर के गांधी पार्क सिविल लाइन पर छात्रों के साथ–साथ विभिन्न पार्टियों के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।इस मौके पर विरोध कर रहे छात्र–छात्राओं के अलावा विभिन्न पार्टियों के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन भी सौपा।विरोध प्रदर्शन करने वालों मे यूनिक वेलफेयर फाउंडेशन के बैनर तले अजीत वर्मा के नेतृत्व में छात्र हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर धरना–प्रदर्शन किया।इस मौके पर बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लेते हुए नीट पेपर लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, पेपर लीक पर कठोर कार्रवाई, समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया, रोजगार के अवसर तथा सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मांग उठाई।धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बार–बार होने वाली पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों मेहनती युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।कहा कि सरकार को परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाना चाहिए, ताकि युवाओं का विश्वास बहाल हो सके।कहा कि देश का युवा रोजगार और निष्पक्ष अवसर चाहता है, इसलिए सरकार को छात्र–युवा हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।धरना समाप्त होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा।ज्ञापन में नीट पेपर लीक की निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया लागू करने तथा शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई।कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि यदि छात्रों की जायज मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।धरना–प्रदर्शन में अजीत वर्मा,राजकुमार वर्मा,आलोक वर्मा,राजेंद्र वर्मा,बृजेश, अमन पटेल,सुमित शर्मा,शुभम वर्मा ,आलोक वर्मा,अंशिका यादव, अंशिका वर्मा ,राज ,सचिन ,बलकरण कई सौ छात्र–छात्राए एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि व कार्यकर्ता मौजूद रहे।प्रदर्शन के दौरान किसी भी तरह के अराजकता ना पहले इसके लिए भी सिविल लाइन स्थित गांधी पार्क पूरी तरह से छावनी में तब्दील रहा इस मौके पर सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर मनोज शर्मा, प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट संजीव सिंह थानाध्यक्ष महिला थाना आशा शुक्ला के अलावा कई चौकी प्रभारी तथा पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात रहे।

25वें दिन भी न्यायिक कार्य का बहिष्कार, क्रमिक अनशन जारी

प्रयागराज, (संवाददाता)। अध्यक्ष राजस्व परिषद उ०प्र० लखनऊ के असंवैधानिक आदेश के विरूद्ध विगत 3 जुलाई से चल रहा आंदोलन आज भी जारी रखा गया। आज भी अधिवक्ताओं द्वारा न्यायिक कार्य से विरत रहते हुए क्रमिक अनशन जारी रखा। क्रमिक अनशन की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष बार एसोसिएशन बोर्ड ऑफ रेवेन्यू उ०प्र० प्रयागराज डॉ० बाल कृष्ण पाण्डेय ने प्रदेश के 18 मण्डल के कमिश्नरी के बार अध्यक्षों को पत्र लिखकर सहयोग की अपील की है। वहीं महासचिव अनिरूद्ध शर्मा ने कहा है कि जब तक चेयरमैन द्वारा 3 जुलाई एवं 8 जुलाई के आदेश को वापस नही लिया जाता तब तक न्यायिक कार्य से विरत रह कर अपना विरोध दर्ज करेंगे। संयुक्त सचिव प्रेस सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि 27 जुलाई सायं काल। बजे आम सभा होगी जिसमें अग्रिम रणनीति तय की जायेगी। बैठक का संचालन संयुक्त सचिव प्रशासन रोहित तिवारी ने किया। आम सभा में निम्न अधिवक्ता उपस्थित रहे शैलेन्द्र कुमार सिंह, रमेश पुण्डीर, कल्लन उर्फ विजय शंकर तिवारी, यक्ष, सन्तोश कुमार तिवारी पूर्व संयुक्त सचिव प्रशासन, प्रशान्त उपाध्याय, विकास मणि त्रिपाठी, ऋद्धा शुक्ला, आसमा, महेन्द्र शुक्ला, मोहन धरिया समेत सैकड़ो अधिवक्ता उपस्थित रहे।

छह विद्यालयों में प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं का चौथा चरण आयोजित

प्रयागराज, (संवाददाता)। भारत रत्न राजऋषि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती माह के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय युवा खत्री समाज (रजि.) दिल्ली द्वारा संचालित जनपद स्तरीय प्रतिभा खोज अभियान के अंतर्गत बुधवार को प्रतियोगिताओं का चतुर्थ चरण प्रयागराज के छह विद्यालयों में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस चरण में गोल्डन नर्सरी स्कूल, दरियाबाद, युगुल किशोर जूनियर हाईस्कूल, डी.पी.एस.सी., नैनी, जीनियस स्कूल, अरेल, एम.पी.एस. हाई सेकेंडरी स्कूल, मुवैय्या तथा स्वामी विवेकानंद स्कूल, हनुमानगंज में चित्रकला, निबंध एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा, कल्पनाशीलता और कलात्मक अभिव्यक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथियों एवं निर्णायक मंडल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए ।

आस्था के घाट, सिर्फ दावों में व्यवस्था के ठाठ

भदोही, (संवाददाता)। जिले के प्रमुख गंगा घाटों पर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं के इंतजाम नाकाफी हैं। 30 जुलाई से शुरू हो रहे सावन माह और कांवड़ यात्रा के दौरान घाटों पर बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए अब तक की तैयारियां पर्याप्त नहीं हैं। सीतामढ़ी को छोड़ दें तो सेमराध, रामपुर, बिहरोजपुर और डेरवां जैसे गंगा घाटों पर न तो सुरक्षा के विशेष इंतजाम हैं और न ही कांवड़ियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं। सावन में कांवड़ियों के अलावा बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु भी स्नान करने पहुंचती हैं। ऐसे में घाटों पर व्यवस्थाओं के अभाव में आस्था जोखिम में है। आगामी सप्ताह से शुरू होने वाले सावन माह को ध्यान में रखते हुए हमारी टीम ने बृहस्पतिवार को जिले के पांच प्रमुख घाटों सीतामढ़ी, सेमराध, रामपुर, बिहरोजपुर और डेरवां की पड़ताल की। टीम करीब 30 मिनट तक प्रत्येक घाट पर रुकी और कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। पड़ताल में सीतामढ़ी घाट को छोड़कर अन्य घाटों पर व्यवस्थाएं

नाकाफी मिलीं। सीतामढ़ी में व्यवस्थाएं बेहतर होने का कारण यहां चल रहा लवकुश मेला बताया गया। जिले के इन पांच प्रमुख घाटों से प्रत्येक रविवार भोर में कांवड़ियों की टोलियां जल भरकर नजदीकी शिवालयों में जलाभिषेक के लिए जाती हैं। सेमराधा घाट पर एक, रामपुर में तीन और सीतामढ़ी में पांच कपड़ा बदलने के लिए चेंजिंग रूम हैं। सीतामढ़ी को छोड़कर अन्य घाटों पर पेयजल और शौचालय की व्यवस्था नहीं है। साथ ही गोताखोर और प्रशासन की टीम भी नजर नहीं आई। सावन माह में इन घाटों पर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु और कांवड़िये स्नान करने आते हैं। सीतामढ़ी से श्रद्धालु जल भरकर सेमराधनाथ में जलाभिषेक करने जाते हैं। इसी प्रकार सेमराध से सेमराधनाथ एवं गोपीगंज के बड़े शिव मंदिर तथा बिहरोजपुर और डेरवां से तिलेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु जाते हैं।

खेत में गिरे तार के करंट से पिता-पुत्र की मौत, नाराज लोगों ने दो घंटे किया चक्काजाम

वाराणसी, (संवाददाता)। बांसडीह रोड (बलिया)। बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में बृहस्पतिवार की सुबह खेत में टूट कर गिरे हाईटेंशन लाइन के तार में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से पिता जनार्दन यादव (58) और बेटे राजेश यादव (24) की मौत हो गई। बेटे को बचाने में पिता की भी जान चली गई। हादसे से नाराज ग्रामीणों ने बलिया–बांसडीह मुख्य मार्ग पर दो घंटे तक जाम लगाकर बिजली निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। ग्रामीणों का आरोप था कि टकरसन विद्युत उपकेंद्र पर 23 बार फोन करने के बाद भी बिजली आपूर्ति बंद नहीं की गई थी। भाजपा की क्षेत्रीय विधायक केतकी सिंह भी मौके पर लोगों के साथ धरने पर बैठ गईं। बाद में बांसडीह एसडीएम के आश्वासन पर जाम समाप्त हुआ। जनार्दन की बेटी सीमा यादव की तहरीर पर टकरसन विद्युत उपकेंद्र के जेई आनंद जायसवाल और लाइनमैन मुकुल उपाध्याय के खिलाफ बांसडीह रोड थाने की पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। सीमा ने तहरीर में आरोप लगाया है कि जेई और लाइनमैन की लापरवाही के कारण पिता–भाई की मौत हुई है। गांव सहपुरवा के जनार्दन यादव सुबह अपने इकलौते बेटे राजेश यादव के साथ खेत पर गए थे। खेत में हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर नीचे गिरा था। राजेश जैसे ही खेत में पहुंचे तार में प्रवाहित करंट की चपेट में आ गए। बेटे को तड़पता देख पिता जनार्दन यादव उसे बचाने के लिए दौड़े लेकिन वह भी करंट की चपेट में आकर वहीं अचेत होकर गिर गए। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। घटना के बाद ग्रामीणों का आरोप है कि हादसे के समय करंट की चपेट में आए लोगों को बचाने के लिए टकरसन विद्युत उपकेंद्र पर 23 बार फोन कर बिजली आपूर्ति बंद कराने का प्रयास किया गया था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।